मांस शराब छोड़ दे ?

बचितर सिंह जी कैनेडा के एक होटल में काम करते थे, वह होटल की मालकिन की 3 साल की बच्ची जो कि उनकी अपनी बेटी के समान थी, उसके साथ खेल रहे थे।

मांस शराब छोड़ दे ?

बचितर सिंह जी के साथी जो खाते पीते थे उनमें से एक दोस्त ने आकर बचितर सिंह को उदास देखकर उसे शराब पीने पर मजबूर कर दिया।
तू उदास क्यों है मेरे दोस्त, आ शराब पीते हैं। इसे पीकर तू अपने सारे गम भूल जायेगा।
BAR
HOT HOT

शराब के नशें में बचितर सिंह एक गोरी मेम का पैर अपनी टैक्सी के नीचे कुचलते हुए।
230 0397
CAB
TAXI

बचितर सिंह को पुलिस ने पकड़कर जेल की कोठरी में बंद कर दिया। वह जेल की कोठरी में सतिगुरु जी को याद करते हुए रो रहा है। अचानक आकाशवाणी हुई।
बन्दा बन जा, अजे वी कुछ नहीं विगडिआ तेरा। शराब मांस छोड़ दे ?

बचितर सिंह को जेल से वापिस जाते हुए श्री सतिगुरु जी की पीठ भी दिखाई दी। उसने अपने दोनों हाथ तो जोड़ दिये परंतु मन में शंका आई कि सतिगुरु जी तो श्री भैणी साहिब बैठे है वे सात समुद्र पार कैसे पहुंच गये ?

गोरी मेम जो सरकारी वकील है, बचितर सिंह को समझाती हुई
तुम अपना केस बदलवा लो, एक दुर्घटना का केस दर्ज करवाओ, उसमें सिर्फ जुर्माना देना होगा और देश से निकाला नहीं जायेगा।

गिल्टी ?
यस गिल्टी सर
अदालत बचितर सिंह को 200 डालर जुर्माना लगाते हुए बरी कर देती है।

श्री सतिगुरु जी कैनेडा की साध संगत को दर्शन देते हुए। वहाँ बचितर सिंह भी दर्शन करने आते हैं।
खाना पीना बन्द कर दे, केस रख के नामधारी बाणे विच आ जा, तेरे ते सतिगुरु जी कृपा करनगे।
सतबचन जी

बचितर सिंह ने श्री सतिगुरु जी के जाने के बाद खाना पीना नहीं छोड़ा। रोज शराब पीनी, जब तक बेहोश नहीं हो जाता।
बस एक तू ही मेरे गम का सहारा है

बचितर सिंह शराब पीते-पीते बेहोश हो गया।

कुछ दिनों के बाद सूबा रेशम सिंह जी के घर टोरांटो में श्री सतिगुरु जी का फोन आता है।

श्री सतिगुरु जी सूबा रेशम सिंह जी को हुक्म करते हुए।
बचितर सिंह को अपने घर रखो, ताकि आपको देखकर बन्दा बन जाये।
सतबचन जी, मैं जल्दी ही बचितर सिंह को अपने पास लेकर आऊँगा।

सूबा रेशम सिंह और उनकी पत्नी रानी को बचितर सिंह एक शापिंग माल में मिल जाते हैं।
तुम बचितर सिंह हो ना, मुझे श्री सतिगुरु जी का फोन आया था, तुम्हें हमारे साथ हमारे घर चलना है।
जी हाँ, आप मुझे कैसे जानते हो ?
50
और बचितर सिंह को श्री सतिगुरु जी का हुक्म बताते हुए अपने साथ अपने घर ले जाने के लिए कहते हैं।

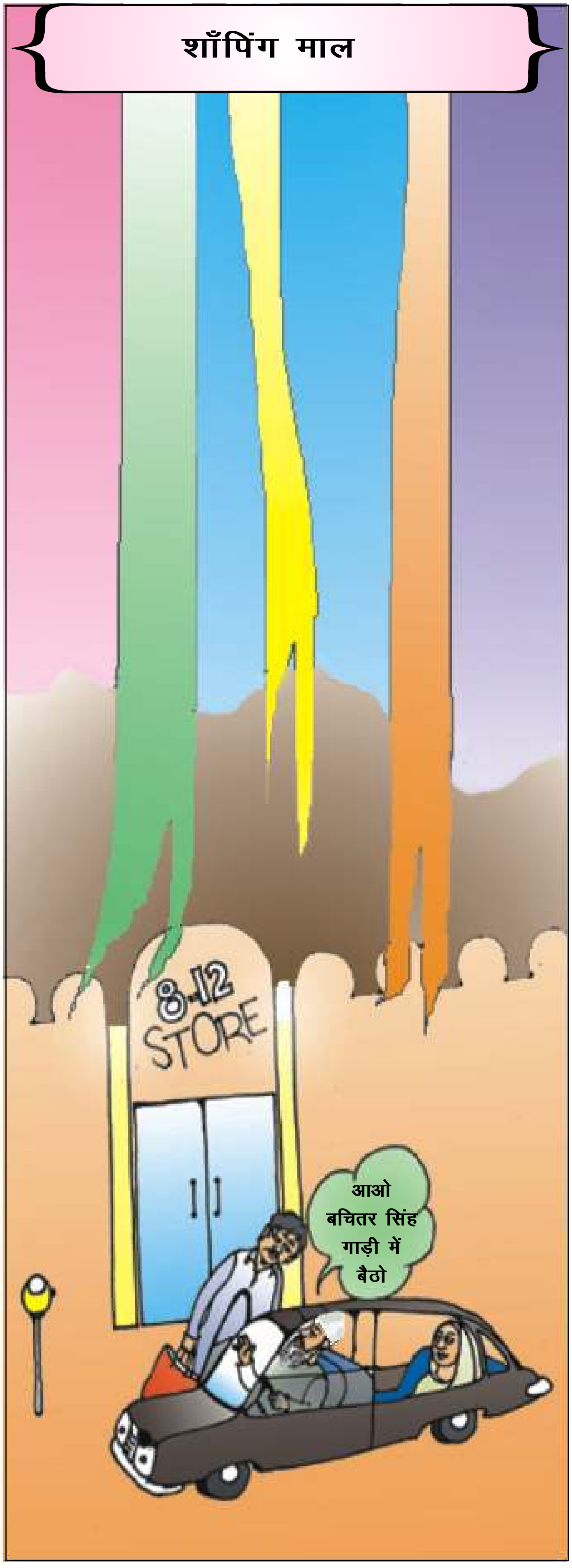
शाँपिंग माल
8-12 STORE
आओ बचितर सिंह गाड़ी में बैठो

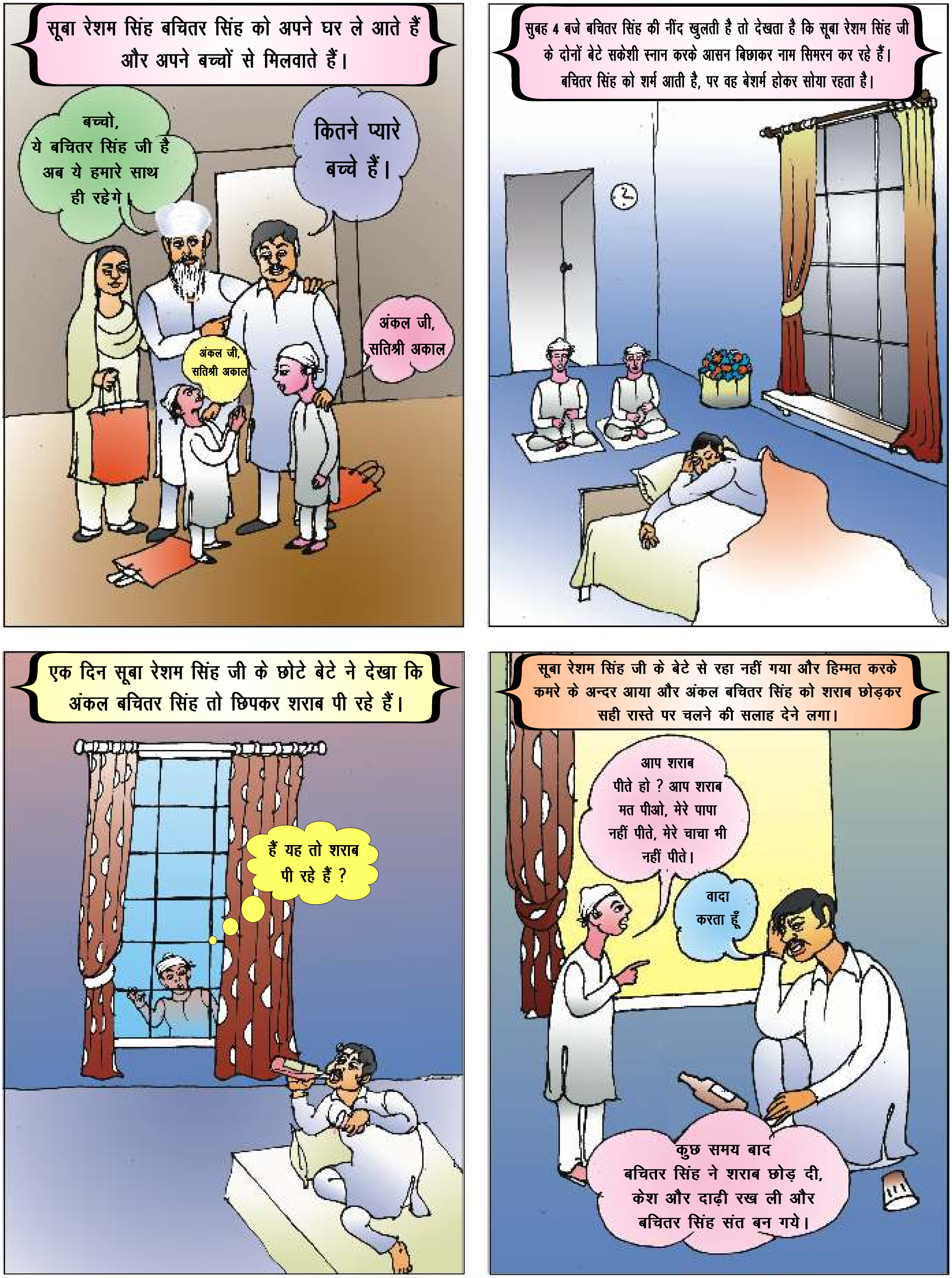
सूबा रेशम सिंह बचितर सिंह को अपने घर ले आते हैं और अपने बच्चों से मिलवाते हैं।
बच्चो, ये बचितर सिंह जी है अब ये हमारे साथ ही रहेगे।
कितने प्यारे बच्चे हैं।
अंकल जी, सतिश्री अकाल
अंकल जी, सतिश्री अकाल
सुबह 4 बजे बचितर सिंह की नींद खुलती है तो देखता है कि सूबा रेशम सिंह जी के दोनों बेटे सकेशी स्नान करके आसन बिछाकर नाम सिमरन कर रहे हैं। बचितर सिंह को शर्म आती है, पर वह बेशर्म होकर सोया रहता है।
एक दिन सूबा रेशम सिंह जी के छोटे बेटे ने देखा कि अंकल बचितर सिंह तो छिपकर शराब पी रहे हैं।
हैं यह तो शराब पी रहे हैं ?
सूबा रेशम सिंह जी के बेटे से रहा नहीं गया और हिम्मत करके कमरे के अन्दर आया और अंकल बचितर सिंह को शराब छोड़कर सही रास्ते पर चलने की सलाह देने लगा।
आप शराब पीते हो ? आप शराब मत पीओ, मेरे पापा नहीं पीते, मेरे चाचा भी नहीं पीते।
वादा करता हूँ
कुछ समय बाद बचितर सिंह ने शराब छोड़ दी, केश और दाढ़ी रख ली और बचितर सिंह संत बन गये।